महाविद्यालयों को कोड, लॉगइन आइडी व पासवर्ड भेज दिए गए

आयुष विश्वविद्यालय से संबद्ध होंगे 107 कॉलेज

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय से प्रदेश के सभी 107 महाविद्यालयों को संबद्ध करने की तैयारी है। इसके लिए शासन स्तर पर प्रक्रिया शुरू हो गई है।

चार जून से महाविद्यालय विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mggaugkp.ac.in पर पूरा विवरण दर्ज कर सकते हैं। महाविद्यालयों को कोड, लॉगिन आइडी व पासवर्ड भेज दिए गए हैं।

आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने बताया कि निजी और राजकीय महाविद्यालयों के लिए अलग-अलग शुल्क तय किए गए हैं। निजी महाविद्यालयों में 100 सीट पर 1.50 लाख और 60 सीट पर 1.30 लाख रुपये और राजकीय महाविद्यालयों में सौ सीट पर 40 हजार व 60 सीट पर 30 हजार रुपये तय किए गए हैं। निजी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर के प्रति छात्र के हिसाब से पांच हजार व राजकीय महाविद्यालयों से दो हजार रुपये अतिरिक्त शुल्क लिए जाएंगे।

महाविद्यालयों को 18 प्रतिशत जीएसटी भी देना होगा। राजकीय के लिए शुल्क 30 से 40 हजार रुपये तय किए गए हैं।

यह शुल्क कार्यपरिषद की बैठक के बाद घट-बढ़ सकता है। परिषद ने कम किया तो महाविद्यालयों को बची धनराशि वापस की जाएगी, ज्यादा तय किया तो ली जाएगी। इसी के साथ नया महाविद्यालय खोलने के लिए एक लाख रुपये का शुल्क तय किया है। अनुमति मिलने के बाद महाविद्यालय नहीं शुरू करने पर अगले साल पुनः 50 हजार रुपये लिए जाएंगे। तीसरे साल अनुमति निरस्त कर दी जाएगी। पुनः नए सिरे से आवेदन करना होगा।

निर्माण कार्य की अब वीडियो कॉल से होगी निगरानी

भटहट क्षेत्र के पिपरी में निर्माणाधीन महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में अब निर्माण कम्पनी की मनमानी नहीं चलेगी। निर्माण कार्य के प्रगति पर दिन में अधिकारियों की नजर तो रहेगी ही रात में भी कुलपति स्वयं इसकी निगरानी वीडियो कॉल के माध्यम से करेंगे।

गुरुवार कोआयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एके सिंह निर्माणाधीन आयुष विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि भवन निर्माण में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही जिलाधिकारी विजय किरण आनन्द ने जिम्मेदारों को कड़ी चेतावनी दी। इसके बावजूद भी निर्माण कार्य में तेजी नहीं दिख रही है। वहीं बुधवार को हुई आधे घंटे की बारिश में ही एडमिन ब्लॉक, गेस्ट हाउस, फैकल्टी सेंटर आदि ब्लॉकों में पानी भर गया था। इससे पीसीसी पानी में डूब गया। ऐसे में निर्माण कार्य बाधित हो गया। परिसर में जगह-जगह जलजमाव हो गया था। बीसी ने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय निर्माण में अभी तक आंतरिक सड़कें, एप्रोच का कार्य ठप पड़ा है। विभिन्न ब्लॉकों में भरा पानी निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीसी हाउस, गेस्ट हाउस, फैकल्टी सेंटर, स्टाफ रूम का इसी माह में प्लिंथ (बीम) से लगायत छत की ढलाई का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए है। वहीं निर्माण कम्पनी के जनरल मैनेजर संजय सिंह को दो शिफ्ट में कार्य आरम्भ कराने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि अब रात में वीडियो कॉल कर निर्माण कार्य पर नजर रखी जाएगी। रात में निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए रोशनी की व्यवस्था की जा रही है।